डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 8, अंक 29 अक्टूबर–दिसम्बर, 2017

प्रबंध निदेशक का नव वर्ष संदेश

मेरे प्रिय डीएफसीसीआईएल साथियो

आपको और आपके परिवार को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी प्रार्थना है कि नया साल डीएफसी परिवार के हर सदस्य के जीवन में खुशी और खुशहाली लेकर आए। किसी पर्वत पर चढ़ते समय, तमाम कठिनाइयों के बीच, हमारी नजर हमेशा आगे की तरफ होती है। लेकिन एक पड़ाव पर पहुंच जाने के बाद पीछे मुड़कर उन्हीं तय किए गए रास्तों को देखना एक सुखद अनुभव होता है, जो हमें आत्मविश्वास और स्फूर्ति प्रदान करता है। नए साल की शुरुआत ऐसा ही एक पड़ाव है, जहां पहुंचकर हम पिछले वर्ष की उपलब्धियों से नए वर्ष की चुनौतियों के लिए ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

वर्ष 2017 को जिन उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा उनमें प्रमुख हैं– सिविल कार्यों में आई उल्लेखनीय प्रगति। वर्ष 2017 में 450 किमी मेकेनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग की गई, जिसके बाद अब दोनों कोरीडोरों में 900 किमी से ज्यादा ट्रैक लिंकिंग की जा चुकी है। डीएफसी नेटवर्क के सबसे बड़े 3.06 किमी लंबे पुल– सोन ब्रिज का निर्माण 1216 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। इसी प्रकार पश्चिमी डीएफसी में 1.2 किमी लंबे रेनवाल वायाडक्ट का निर्माण भी गत वर्ष संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त अब तक 82 बड़े पुलों और 1117 छोटे पुलों का निर्माण कार्य भी पूरा कर लिया गया, जबकि 135 बड़े और 406 छोटे पुलों का निर्माण कार्य जारी है।

भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में भी डीएफसी के अथक प्रयासों ने उत्साहवर्धक परिणाम दिए हैं। वर्ष बीतते–बीतते दोनों कोरीडोरों में 98.7% (पीपीपी सेक्शन को छोड़कर) भूमि अधिग्रहित कर ली गई। डीएफसी ने सिविल, इलेक्ट्रिकल व सिग्नल एवं टेलीकॉम समेत अन्य कांट्रैक्ट अवार्ड करने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब तक कुल रु. 49,043 करोड़ के कांट्रैक्ट अवार्ड किए जा चुके हैं, जो कुल अवार्ड किए जाने वाले कांट्रैक्टों का 94% है।

डीएफसी परियोजना देश की आर्थिक तस्वीर बदलने के साथ–साथ अपने सामाजिक दायित्वों को लेकर भी संवेदनशील है। वर्ष 2017 में डीएफसी ने CSR कार्यक्रम के अंतर्गत 13 केंद्रों में 1039 परियोजना प्रभावित गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को रोजगार परक कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया। सैकड़ों अन्य लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि वर्ष 2017 हमें अनेक अच्छी यादें और संतुष्ट होने की कई सारी वजहें देकर जा रहा है। लेकिन जिस प्रकार हम किसी भी नई चीज में पुरानी चीजों की तुलना में अतिरिक्त खूबियां देखना चाहते हैं, उसी प्रकार नया साल हमें सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित कर रहा है।

वर्ष 2018 में डीएफसी की सबसे बड़ी चुनौती पूर्वी डीएफसी के अटेली–फुलेरा और खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन के सभी कार्यों को पूरा करना है जिसके लिए हम सभी को मिलकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारतीय रेल के भीड़–भाड़ वाले सेक्शनों की कार्य प्रणाली में सुधार और डीएफसीसीआईएल की छवि को और अधिक उभारने के लिए ये अत्यंत आवश्यक हैं कि इन दोनों सेक्शनों का कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा हो। इसके लिए टीम वर्क की भावना का और ज्यादा मजबूत होना बहुत जरूरी है। मेरा पूर्ण विश्वास है कि डीएफसी परिवार का हर सदस्य अपने–अपने क्षेत्र में न सिर्फ काबिलियत रखता है, बल्कि उसे करने की नेक नीयत भी रखता है। आवश्यकता बस एक और एक को मिलाकर ग्यारह बनाने की है।

आइए, इन नव वर्ष पर हम संकल्प लें कि संगठन के उद्देश्यों को हम सबसे ऊपर रखेंगे और राष्ट्र के प्रति अपने सामूहिक दायित्वों का निर्वहन और भी अधिक निष्ठा के साथ करेंगे। इस यात्रा में हम सब एक–दूसरे के साथ हैं।

एक बार पुनः आपको और आपके परिवार को नव वर्ष 2018 की हार्दिक शुभकामनाएं।

(अंशुमान शर्मा)

डीएफसीसीआईएल ने मनाया 12वां फाउंडेशन डे

डीएफसीसीआईएल ने 29.10.2017 को अपना 12वां फाउंडेशन डे मनाया। इस अवसर पर नई दिल्ली के वायुसेना सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा तथा रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी ने किया।

इस अवसर पर श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक, श्री नरेश सालेचा, निदेशक/वित्त, श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक/परिचालन एवं व्यवसाय विकास, श्री डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना, स्वतंत्र निदेशकगण, वर्ल्ड बैंक और जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) के प्रतिनिधि, रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न मंत्रालयों एवं लोक उपक्रमों के अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

माननीय रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि डीएफसीसीआईएल भारतीय रेल की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जो न केवल रेल परिवहन क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी, बल्कि एक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि डीएफसी माल और यात्री यातायात को अलग करके एक बेहतर और कुशल लॉजिस्टिक्स प्रदानकर्ता के रूप में उद्योगों की मांग को पूरा करने में मदद करेगी। उन्होंने डीएफसीसीआईएल को रेल मंत्रालय की तरफ से हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी ने कहा कि डीएफसीसीआईएल भारतीय रेल के मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण इजाफा करेगी। इससे रेलवे को माल

डीएफसीसीआईएल के 12वें संस्थापना दिवस का उद्घाटन करते हुए रेलवे बोर्ड और डीएफसीसीआईएल के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी। साथ में उपस्थित हैं माननीय रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा एवं डीएफसीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारीगण

भाड़े की खोई हुई हिस्सेदारी वापस मिलने में मदद मिलेगी।

श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक, डीएफसीसीआईएल ने इस अवसर पर कहा कि डीएफसीसीआईएल देशवासियों की अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील है और पूरी टीम परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डीएफसीसीआईएल ने, विशेष रूप से, पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है और समर्पित भाव से कार्य करते हुए कांट्रैक्ट अवार्ड, पूंजीगत व्यय एवं भूमि अधिग्रहण जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सामाजिक दायित्व निभाने में डीएफसीसीआईएल अग्रणी

प्रोजेक्ट सक्षम के अंतर्गत हरियाणा राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (HARTRON), अंबाला सिटी में चल रहा निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर परियोजना देश में यातायात के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने जा रही है। लेकिन सामाजिक क्षेत्र में होने वाले बदलाव की शुरुआत परियोजना के निर्माण चरण में ही शुरु हो चुकी है। परियोजना से हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है, साथ ही संगठन द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

DFCCIL की CSR पहल– **प्रोजेक्ट सक्षम** के द्वितीय चरण के अंतर्गत भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के साथ 950 PAP/BPL उम्मीदवारों की स्किल डेवलेपमेंट ट्रेनिंग के लिए समझौते (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके लिए उम्मीदवार चार परियोजना कार्यालयों– अंबाला, नोएडा, मुंबई (दक्षिण) एवं मुंबई (उत्तर) से चुने गए हैं। वर्तमान में 579 उम्मीदवारों की ट्रेनिंग चल रही है। प्रोजेक्ट सक्षम के प्रथम और द्वितीय चरण के अंतर्गत अब तक विभिन्न परियोजना कार्यालयों में लगभग 1500 लोगों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

इसके अलावा DFCCIL ने सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CEL) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अजमेर और इलाहाबाद (पूर्व) परियोजना कार्यालयों के गांवों में सौर ऊर्जा से चलने वाले स्ट्रीट लाइट लगाए जाएंगे। इसके लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है। इसके अतिरिक्त पूर्वी डीएफसी की टूंडला एवं पश्चिमी डीएफसी की अहमदाबाद इकाई के स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं 'प्रोजेक्ट ज्योति' के अंतर्गत कोलकाता एवं जयपुर रेलवे स्टेशनों पर सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। DFCCIL द्वारा चलाए जा रहे ये कार्यक्रम देश की आर्थिक विकास के साथ–साथ सामाजिक विकास के लिए भी संगठन की कटिबद्धता को दर्शाते हैं।

DFCCIL के CSR कार्यक्रम

'प्रोजेक्ट सक्षम' के अंतर्गत 1500 लोगों को स्किल डेवलेपमेंट कोर्स कराए गए

गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाने के लए CEL के साथ समझौता

दो परियोजना कार्यालयों के अनेक स्कूलों में निःशुल्क कंप्यूटर वितरण

'प्रोजेक्ट ज्योति' के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर सोलर पैनलों की स्थापना

अक्टूबर –दिसम्बर 2017 तिमाही की मुख्य उपलब्धियां

प्रमुख उपलब्धियां

रेवाड़ी-इकबालगढ़ सेक्शन

5 बड़े पुल, 7 छोटे पुल एवं 7 रोड अंडर ब्रिजों का निर्माण

एनटीसी मशीन द्वारा 52.36 किमी ट्रैक लिंकिंग

अब तक कुल 432 किमी की ट्रैक लिंकिंग पूरी

भाऊपुर-मुगलसराय सेक्शन

200 किमी से अधिक स्ट्रेच में अर्थवर्क प्रगति पर

33 बड़े पुलों और 250 से ज्यादा छोटे पुलों का निर्माण जारी

रामवा एवं पहाड़ा यार्डों में कंक्रीट स्लीपरों का निर्माण और पटरियों की आपूर्ति का कार्य जारी

टोंस एवं यमुना पुलों का निर्माण निर्धारित समय के अनुसार जारी

खुर्जा-भाऊपुर सेक्शन

11.98 किमी ब्लैंकेटिंग, 50.72 किमी ट्रैक लिंकिंग

अब तक 326.83 किमी ट्रैक लिंकिंग

पूर्वी डीएफसी

साहनेवाल–पिलखनी सेक्शनः सिविल कार्यों के लिए लगभग 55% डिजाइन कार्य पूरा। 21% स्ट्रेच में अर्थवर्क का कार्य जारी। 22% बड़े पुलों और 23% छोटे पुलों पर निर्माण कार्य जारी। सिस्टम कार्यों के RFP की क्लियरेंस के लिए द्वितीय लॉट के प्रश्नों एवं परिशिष्टों के उत्तर वर्ल्ड बैंक को भेजे गए।

खुर्जा–पिलखनी सेक्शनः वित्तीय बिड की मूल्यांकन रिपोर्ट, बातचीत के बाद, वर्ल्ड बैंक की क्लियरेंस के लिए दिनांक 29.12.2017 को जमा। सिस्टम कार्यों के लिए PQ पूरा। बिड प्रपत्रों पर कार्य चल रहा है।

खुर्जा–दादरी सेक्शनः सिस्टम कार्यों की RFP के लिए, प्रथम सेट के प्रश्न एवं परिशिष्ट, वर्ल्ड बैंक की NOC के बाद, बिडर्स को भेजे गए।

- पूर्वी डीएफसी–3 (खुर्जा–लुधियाना) के फेज I एवं II तथा पूर्वी डीएफसी–1 (खुर्जा–भाऊपुर) के लिए Social – Environmental Safeguard Monitoring and Review Consultant (SESMRC) हेतु Expression of Interest की शॉर्टलिस्टिंग की प्रकिया प्रगति पर।
- पूर्वी डीएफसी– 2 (भाऊपुर–मुगलसराय) में सिग्नलिंग कार्यों के लिए Independent Safety Assessment (ISA) कंसल्टेंट की नियुक्ति हेतु Request for Proposal (RFP) दिनांक 11.12.2017 को जारी। प्रस्ताव खोलने की तारीख 10.01.2018, दिनांक 22.12.2017 को प्री–सब्मिशन कांफ्रेंस आयोजित।

पश्चिमी डीएफसी

साबरमती और माही नदियों पर ब्रिजों का निर्माणः दोनों नदियों पर फाउंडेशन कार्य प्रगति पर। 52% कंक्रीटिंग कार्य पूरा। कुल भौतिक प्रगति लगभग 33.46% और कुल वित्तीय प्रगति लगभग 27.50%

इकबालगढ़–मकरपुरा सेक्शन (289 किमी): डिजाइन कार्य प्रगति पर। Clearing & grubbing, अर्थवर्क और स्ट्रक्चरल कार्यों की शुरुआत। कुल भौतिक प्रगति 14.99% और कुल वित्तीय प्रगति 12.36%

सचीन–वैतरणा सेक्शन (186 किमी): संपूर्ण सेक्शन के Right of Way (ROW) की वेरिफिकेशन पूरी और 157 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द। अब तक 32 किमी Clearing & grubbing, 25,000 क्युबिक मीटर अर्थवर्क फिलिंग एवं 2.14 लाख क्युबिक मीटर कटिंग का कार्य पूरा। कुल भौतिक प्रगति लगभग 7.66% तथा कुल वित्तीय प्रगति लगभग 5.65%

वडोदरा–सचीन सेक्शन (134 किमी): 131 किमी ROW की वेरिफिकेशन जांच पूरी और 131 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द। अब तक 12 किमी clearing & grubbing, 47,000 किमी अर्थवर्क फिलिंग तथा 7.37 लाख क्युबिक कटिंग का कार्य पूरा। कुल भौतिक प्रगति लगभग 8%, कुल वित्तीय प्रगति 5.60%

रेवाड़ी–दादरी सेक्शन (128 किमी): कांट्रैक्टर द्वारा ROW का वैधीकरण कार्य शुरु। कुल 133.7 किमी में से 133.7 किमी तक ROW का वेरिफिकेशन पूरा और 127 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द। सर्वे और जियोटेक्निलक जांच प्रगति पर। कुल भौतिक प्रगति 9.78% और कुल वित्तीय प्रगति 6.03%

वैतरणा–जेएनपीटी सेक्शन (102 किमी): 97.90 किमी ROW का वैधीकरण कार्य पूरा और कांट्रैक्टर को सुपुर्द। सर्वे और जियोटेक्निकल जांच प्रगति पर। कुल भौतिक प्रगति 7% और कुल वित्तीय प्रगति 5.05%

मकरपुरा–जेएनपीटी सेक्शन (443 किमी): OHE इलेक्ट्रिकल पैकेज के अंतर्गत सर्वे और जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा। डिजाइन कार्य प्रगति पर। खरबाओ ट्रैक्शन सब–स्टेशन का भौतिक कार्य जारी। कुल भौतिक प्रगति 10.75%, कुल वित्तीय प्रगति 10.60%। सिग्नल एवं टेलीकॉम पैकेज के अंतर्गत जांच एवं डिजाइन कार्य पूरा। कुल भौतिक एवं वित्तीय प्रगति 10%

स्पेशल स्टील ब्रिजों का निर्माणः सर्वे एवं जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा। कंक्रीटिंग वर्क जारी। कुल भौतिक प्रगति लगभग 21.61% एवं कुल वित्तीय प्रगति 15.48%

भूमि अधिग्रहण

- दिसंबर 2017 तक लगभग 98% भूमि अधिग्रहित (इसमें सोननगर –डानकुनि का पीपीपी सेक्शन शामिल नहीं है)
- रु. 12594 करोड़ (पूर्वी डीएफसी: 6764 करोड़, पश्चिमी डीएफसी 5830 करोड़) क्षतिपूर्ति का भुगतान

परिचालन एवं व्यवसाय विकास

निम्नलिखित की रेल कनेक्टिविटी के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किए गएः

अ. वाराणसी के निकट Inland Water Transport

ब. करछना थर्मल पॉवर प्लांट

स. CONCOR को वरनामा, वडोदरा और स्वरूपगंज, सिरोही, राजस्थान में PFT की रेल कनेक्टिविटी के लिए मंजूरी

- वैगन डिप्लाइमंट प्लान, साइडिंग एवं कनेक्टिविटी तथा डीएफसी पर डबल स्टैक कंटेनरों के परिचालन के लिए तैयारी जैसे विषयों पर कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के साथ बैठक
- Inland Waterways Authority of India (IWAI) मुख्यालय में मल्टी–मोडल टर्मिनल के विकास हेतु संयुक्त उपक्रम (JV) के विषय पर बैठक

CSNDAD: अंतिम रिपोर्ट को रेलवे बोर्ड की क्लियरेंस, रिपोर्ट अनुमोदित

मानव संसाधन

- विभिन्न विषयों पर 69 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ट्रेनिंग तथा कार्यशालाएं आयोजित। इनमें शामिल हैं– नैतिक नेतृत्व, जिओ स्टुडियो के इस्तेमाल से जिओटेक्निकल मॉडलिंग, सतर्कता पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, वितरण और पॉवर ट्रांसफॉर्मरों की दुर्घटनाओं से बचाव के लिए राष्ट्रीय कॉन्क्लेव, अग्रिम कर, TDS एवं कर नियोजन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजभाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर कार्यशाला, कंपनी सचिवों का स्वर्ण जयंती वर्ष राष्ट्रीय सम्मेलन, इनवेंटरी एवं सप्लाई चेन प्रबंधन, टेंडरिंग, प्रक्योरमंट एवं कांट्रैक्टिंग से जुड़ी सावधानियों पर कार्यक्रम, पब्लिक प्रक्योरमंट में सतर्कता एवं नैतिकता आदि।
- उपरोक्त तिमाही के दौरान 5 अधिकारी प्रतिनियुक्ति (deputation) पर डीएफसीसीआईएल से जुड़े। 34 मल्टी टास्किंग कर्मचारी N1 ग्रेड (परिचालन विभाग) में ओपन मार्केट से भर्ती किए गए।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2017

डीएफसीसीआईएल ने कॉर्पोरेट एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक 30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2017 का आयोजन किया। इसकी शुरुआत सभी कार्यालयों में शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। कॉर्पोरेट कार्यालय में श्री डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें निबंध लेखन प्रतियोगिता, सतर्कता के मामलों पर समूह चर्चा, श्री शैलेंद्र सिंह, मुख्य तकनीकी परीक्षक/केंद्रीय सतर्कता आयोग, श्री सुरजेंदु शंकर दास, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता द्वारा 'आर्बिट्रेशन' पर व्याख्यान एवं डीएफसी सतर्कता नियमावली का विमोचन शामिल है।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह के दौरान डीएफसी सतर्कता नियमावली 2017 का विमोचन करते श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक (मध्य में), श्री डी. एस. राणा, निदेशक अवसंरचना (दाएं) और श्री यू. के. लाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी (बायें)

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

डीएफसीसीआईएल में दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक/परिचालन एवं विकास एवं श्री डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना भी उपस्थित थे।

प्रेस यात्रा

प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा ने विभिन्न मीडिया संगठनों के पत्रकारों के साथ पूर्वी डीएफसी के अंतर्गत अलीगढ़ के पास चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया

डीएफसीसीआईएल में बढ़ रहा है हिंदी का प्रयोग

डीएफसीसीआईएल द्वारा दिनांक 20.12.2017 को आयोजित एक दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए निदेशक/राजभाषा, रेलवे बोर्ड, साथ में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति सचिव श्री अशोक कुमार एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अनिल कुमार सिंह

डीएफसीसीआईएल में राजभाषा हिंदी के प्रचार, प्रसार, प्रशिक्षण एवं प्रयासों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अब आधिकारिक कार्यों में हिंदी का इस्तेमाल पहले से कहीं अधिक हो रहा है। हिंदी भाषा को दफ्तरी कामकाज की भाषा बनाने के लिए विगत तिमाही (अक्तूबर–दिसंबर 2017) के दौरान राजभाषा से जुड़ी अनेक गतिविधियां संपन्न हुईं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्णय अनुसार कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा दिनांक 20.12.2017 को एक दिवसीय विशेष हिंदी कार्याशाला का आयोजन किया गया जिसमें 40 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रियता के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव एवं निदेशक राजभाषा विभाग रेलवे बोर्ड विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन से पूर्व सभी प्रतिभागियों के लिए हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं विजेताओं को नकद पुरस्कार वितरित किए गए।

कॉर्पोरेट कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वायन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन दिनांक 21.12.2017 को प्रबंध निदेशक महोदय की अध्यक्षता में किया गया जिसमें समिति के अन्य 2 सदस्य भी उपस्थित रहे। सदस्य सचिव/उप मुख्य राजभाषा अधिकारी द्वारा सभी विभागों की समीक्षा प्रस्तुत की गई तथा सभी का ध्यान हिंदी पत्राचार को वार्षिक लक्ष्यानुसार करने पर बल दिया। इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि अनेक उच्च अधिकारियों द्वारा टिप्पणी हिंदी में लिखी जा रही है। अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा विभाग को निर्देश दिए कि वह अधीनस्थ कार्यालयों से तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं राजभाषा कार्यान्वायन समिति की बैठकों का कार्यवित्त नियमित रूप से मंगवाना सुनिश्चित करें तथा इनकी समीक्षा भी तिमाही आधार पर की जाए। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में विभिन्न कार्यालयों में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में डीएफसीसीआईएल अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु उठाए गए कदम एवं परिणाम

हिंदी संबंधी प्रचार-प्रसार गतिविधियों के कारण कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा आधिकारिक कार्यों में हिंदी भाषा का इस्तेमाल बढ़ा है।

हाल ही में कुछ नए सरस पित कंप्यूटरों पर यूनीकोड सॉफ्टवेयर को लोड करते हुए संबंधित स्टाफ को टेबल प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

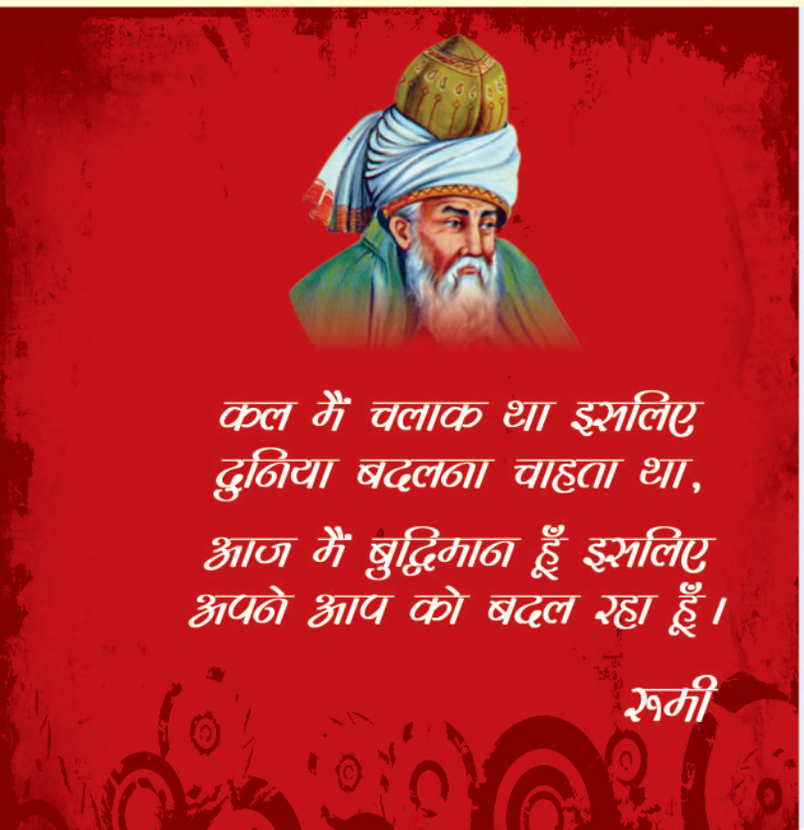

राजधानी से निकलकर जब जिले में पहुंचे
कस्बों में गए, गांवों में रहे
तो पता चला कि
राजधानी कुछ और है
और गांव कुछ और है
जिंदगियां दोनों जगह बिखरी हुई हैं
राजधानी में व्यस्तता के भार से
और गांव में बेरोजगारी की मार से
एक जगह खा नहीं पाते
समय के अभाव से
दूसरी जगह गरीबी के प्रभाव से
एक ओर बीमारी हो रही है
चर्बी चढ़ जाने से
दूसरी ओर पेट पीठ मिल गए हैं
खाना न खाने से यद्यपि
राजधानी में भी कई गांव हैं, कस्बे हैं
गांव में भी राजधानी का कुछ जज्बा हैं
पर दोनों जगह की
जिंदगियों की जिंदगी में बहुत अंतर है
दोनों के बीच परायेपन की नदी बहती निरंतर है
एक तट पर गांव है
दूसरे तट पर शहर है
एक पर समृद्धि की बारिश है
तो दूसरे पर भुखमरी के सूखे का कहर है
एक दूसरे को गवारुं और मूर्ख समझता है
और दूसरा पहले को चालक और धूर्त समझता है
अजीब सा अजनबीपन है दोनों के बीच
एक को उच्च समझा जाता है
दूसरे को नीच।

तेज प्रताप नारायण
संयुक्त महाप्रबंधक/इलेक्ट्रिकल

कार्य की प्रगति

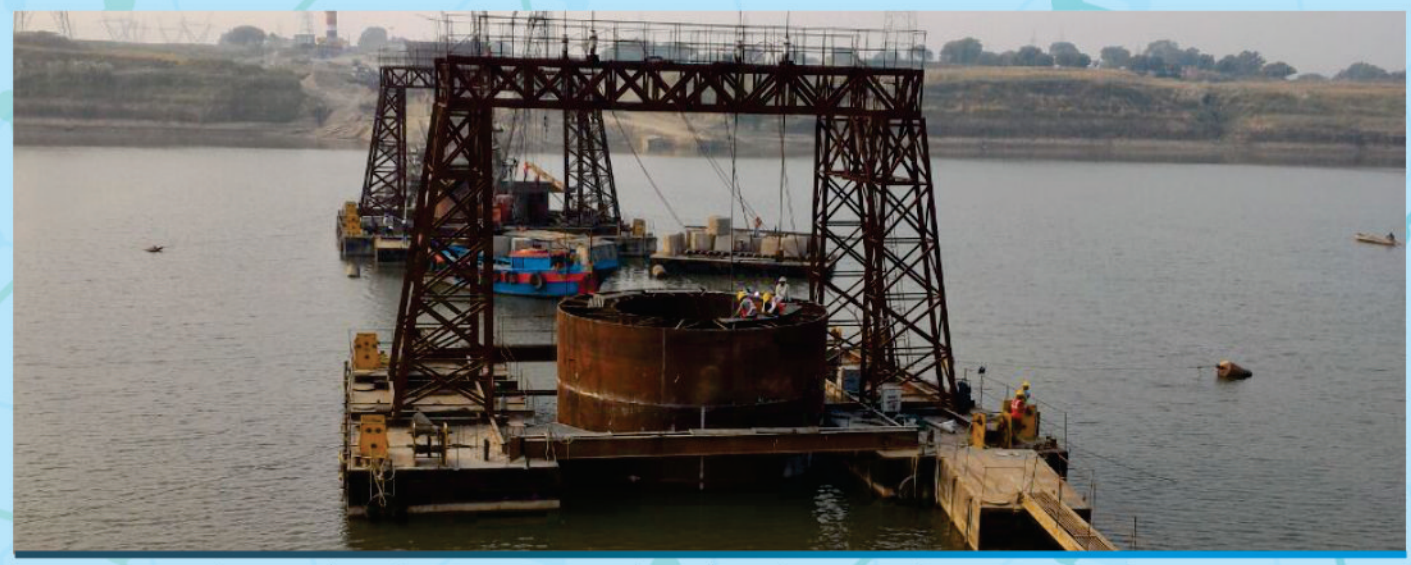

पूर्वी डीएफसी के अंतर्गत भाऊपुर–मुगलसराय सेक्शन के अंतर्गत इलाहाबाद में यमुना नदी पर निर्माणाधीन पुल

पश्चिमी डीएफसी के रेवाड़ी–पालनपुर सेक्शन के अंतर्गत इकबालगढ़ (गुजरात) में रोड ओवर ब्रिजों के लिए गर्डर लांचिंग का कार्य प्रगति पर

पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन के अंतर्गत अलीगढ़ के पास एनटीसी मशीन से मैकेनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार, पंचम तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: mowais@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** मो. ओवैस, **सह-संपादक:** राजेश खरे
www.facebook.com/dfccil.india www.twitter.com/dfccil_india www.youtube.com/dfccilindia